प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला, 2015

20 फरवरी, 2015

आज मेले में नामी हस्तियों ने की शिरकत

आज मेले का सातवाँ दिन था। आज मेले में नामी हस्तियों द्वारा अपनी पुस्तकों का लोकार्पण किया गया जिनमें शामिल हैं गोवा की राज्यपाल, मृदुला सिन्हा; प्रख्यात फिल्म निर्माता–निर्देशक, महेश भट्ट; युवाओं के सर्वाधिक लोकप्रिय कवि, डॉ. कुमार विश्वास तथा साहित्य अकादेमी पुरस्कार से पुरस्कृत कवि, श्री जावेद अख्तर।

लेखक मंच पर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा 'लेखक से मुलाकात' कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें पुस्तक प्रेमियों को साहित्यकार एवं राज्यपाल गोवा, मृदुला सिन्हा से बातचीत करने का अवसर प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के निदेशक, डॉ. एम.ए. सिकंदर भी उपस्थित थे। यहाँ मृदुला सिन्हा ने अपनी पुस्तक 'कलियाँ क्यों हँसती हैं' के बारे में चर्चा करते हुए कहा, ''ग्रामीण जीवन के बारे में लिखने में मुझे आनंद आता है। जिस प्रकार कलियाँ हँसती एवं खुश रहती हैं उसी प्रकार आप सब भी खुश रहें।''

आज हॉल सं. 11 के ऑथर्स कॉर्नर (रिफ्लेक्शंस) में प्रख्यात फिल्म निर्माता, महेश भट्ट ने अपने प्रथम उपन्यास 'ऑल दैट कुड हैव बीन' के बारे में फिल्म आलोचक, शुभ्रा गुप्ता के साथ बातचीत की। यह उपन्यास उनकी आने वाली फिल्म 'हमारी अधूरी कहानी' पर आधारित है।

लेखक मंच पर लोकप्रिय कवि, डॉ. कुमार विश्वास द्वारा लिखित पुस्तक 'कोई दीवाना कहता है' का लोकार्पण किया गया। यह पुस्तक डायमंड बुक्स द्वारा प्रकाशित की गई है। इस कार्यक्रम में लेखिका, वर्तिका नंदा एवं डायमंड बुक्स के चेयरमेन, श्री नरेंद्र कुमार वर्मा भी उपस्थित थे। इस अवसर पर डॉ. कुमार विश्वास ने अपने प्रशंसकों को पुस्तकें हस्ताक्षर कर भेंट की।

आज मेले में प्रसिद्ध कवि, श्री जावेद अख्तर ने अपनी पुस्तकों 'लावा', 'तरकश' और 'सिनेमा के बारे में' का लोकार्पण किया तथा लोकार्पित पुस्तकों के बारे में चर्चा भी की। इस कार्यक्रम का संचालन राजकमल प्रकाशन समूह के प्रबंधक निदेशक, श्री अशोक माहेश्वरी ने किया।

इसी मंच पर हिंद युग्म प्रकाशन द्वारा नॉन–फिक्शन' लेखन पर चर्चा आयोजित की गई जिसका संचालन शैलेष भारतवासी द्वारा किया गया। यहाँ उपस्थित अतिथियों में आलोक श्रीवास्तव (गजलकार); लेखक, किशोर चौधरी, रचनाकार ज्योतिष जोशी, यशवंत सिंह व नीलम मिश्रा शामिल थे। यहाँ कवि रघुवंशी द्वारा लिखित पुस्तक 'स्त्री का समुद्र' तथा जारा जकी की पुस्तक 'रेत की दीवारें' का लोकार्पण भी हुआ। यहाँ आए कवियों ने अपने काव्य संग्रह में से काव्य पाठ किया। उपस्थित कवि ज्योतिष जोशी ने कहा, ''कविता

लिखने से पहले कविता लेखन क्या है, इसका अर्थ जानना आवश्यक है कविता लेखन शब्द चित्र के समान है।''

सूर्योदय

मेले के थीम मंडप– 'सूर्योदय' में प्रतिदिन पूर्वोत्तर के साहित्य एवं संस्कृति पर आधारित गतिविधियों के आयोजन का सिलसिला जारी है। अब पुस्तक प्रेमी पूर्वोत्तर के साहित्य से अपरिचित नहीं हैं। आज इस मंडप में खासी लोक संगीत प्रस्तुति दर्शकों को अत्यंत मनभावन लगी। यह प्रस्तुति प्रकृति एवं वन्य जीवन से प्रेरित समूह 'रिदा गटफोह' एवं उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत की गई। यह समूह परंपरागत खासी लोक कला प्रस्तुत लोगों में पर्यावरण संबंधी जागरूकता उत्पन्न करते हैं।

थीम मंडप में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा 'मेरी धरती मेरी कहानियाँ : पूर्वोत्तर का बाल साहित्य' विषय पर चर्चा आयोजित की गई जिसका संचालन, बच्चों तथा युवाओं के प्रसिद्ध लेखक, श्री अरूप कुमार दत्ता द्वारा किया गया। विमर्शकर्ताओं में थे : साहित्य अकादेमी बाल साहित्य पुरस्कार से पुरस्कृत, आसाम के प्रख्यात लेखक, शांतनु तामुली; भारतीय अँग्रेज़ी उपन्यासकार तथा पत्रकार, सिद्धार्थ शर्मा; त्रिपुरा के साहित्य, संस्कृति व जीवन पर लिखने वाले आशीष गुप्ता। अरूप दत्ता ने एनबीटी को धन्यवाद दिया कि उन्होंने नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले के माध्यम से ऐसे साहित्य पर प्रकाश डालने का प्रयास किया है जिसे अब तक नजरअंदाज किया जाता रहा था।

बाल मंडप

आज बाल मंडप में गतिविधियों की शुरुआत मुंबई की प्रसिद्ध कथाकार, सुश्री उषा वेंकटरमन द्वारा संचालित किए गए कथावाचन सत्र से हुई। उन्होंने बच्चों को उन्हीं की भाषा में कहानियाँ सुनाईं, तत्पश्चात उन्होंने यहाँ उपस्थित बच्चों से बातचीत की और उन्हें 26 पंक्तियों की स्वरचित कहानी, वर्णमाला के क्रमानुसार बनाने के लिए कहा जिसमें बच्चों ने अत्यंत रुचि ली।

इसी मंडप में प्रथम बुक्स द्वारा पठन एवं पुस्तकों के महत्व पर एक नाटक का मंचन किया गया। एनबीटी तथा कला संस्कृति के संयुक्त तत्वावधान में 'लर्न स्केचिंग' विषय पर आधारित कार्यशाला आयोजित की गई। यहाँ स्केचिंग के लाइव प्रदर्शन के माध्यम से दर्शकों को बताया गया कि स्केचिंग में प्रकाश तथा शेड्स का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

आज बाल मंडप में बच्चों को आर्मी ऑफिसर से भेंट करने का अवसर प्राप्त हुआ। यहाँ लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. बी.एस. मलिक, पीवीएसएम, एवीएसएम ने बच्चों के साथ बातचीत की। लेफ्टिनेंट ने अपने अनुभव बच्चों के साथ साझा किए और बताया कि वे सन् 1962 में भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। यहाँ उपस्थित बच्चों ने उनसे उत्सुकतापूर्वक विभिन्न प्रश्न पूछे। डॉ. मलिक ने बच्चों से पूछा कि इस वर्ष के गणतंत्र दिवस समारोह में आपको क्या अच्छा लगा तो बच्चों ने कहा कि इस वर्ष सेना की टुकड़ियों का महिलाओं द्वारा प्रतिनिधित्व करना सभी को पसंद आया जो हमारे देश के लिए गर्व की बात है।

''सुई बोली चाकू से करवा दो मेरी शादी, निपट अकेली रही आज तक हुई सूखकर आधी'' बाल साहित्यकार, डॉ. मधुपंत ने जब बच्चों को ऐसी कविताएँ सुनाईं तो भारत नेशनल पब्लिक स्कूल से आए लगभग 150 बच्चे खिलखिलाकर हँस पड़े। मौका था 'लेखिका संघ' द्वारा आयोजित बाल साहित्य संगोष्ठी

और बच्चों संग संवाद का। बच्चों के साथ बातचीत के दौरान यह जाना गया कि उनके पसंदीदा विषय क्या हैं और उनके लिए लिखे जाने वाला साहित्य कैसा हो। बच्चों ने बताया कि उन्हें पाठ्यक्रम के अतिरिक्त सब कुछ पसंद है। खासकर कॉमिक्स जैसी पुस्तकें जो चित्रात्मक हों और खेल–खेल में संदेश दे सकें। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए साहित्यकार श्री लीलाधर मंडलोई ने कहा कि ''बगैर सपने देखे न कोई कलाम बन सकता है, न ही राजेंद्र प्रसाद इसलिए आप सभी को सोते हुए नहीं खुली आँखों से सपने देखने चाहिए।'' कार्यक्रम में डॉ. सुशीला गुप्त, उषा सक्सेना तथा धीरा वर्मा ने भी बच्चों से साहित्य की अलग–अलग विधाओं पर बातचीत की। कार्यक्रम का संचालन अंजुम शर्मा द्वारा किया गया।

विदेशी मंडप

आज विदेशी मंडप में बने इवेंट्स कॉर्नर में मुंबई से आई लेखिका, विनीता रामचंद्रन ने बच्चों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया। उन्होंने अपनी कहानी 'वाय द नीम ग्रियू बिटर' के कुछ अंश सुनाए और बताया "पेड़ हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं पर आम लोगों को पेड़ों का ज्ञान ही नहीं है। अतः मैं कहानी के माध्यम से लोगों को पेड़ों के विषय में जानकारी प्रदान करना चाहती हूँ।"

लाल चौक

लाल चौक हर दिन की भाँति शुक्रवार को भी विभिन्न कार्यक्रमों से गुलजार रहा। आज यहाँ पंजाबी लोक नृत्य भांगड़ा तथा गिद्दा का आयोजन किया गया जिसमें लोगों ने पूरे जोश एवं मस्ती के साथ भाग लिया। यहाँ आए लोग यह प्रस्तुति देखकर स्वयं को रोक न पाए और वे भी इस जोशपूर्ण नृत्य में शामिल हो गए।